

## यन्त्र में प्राणप्रतिष्ठा कैसे करें।

किसी भी शुभ मुहूर्त में प्रातः ४ से ६ बजे के मध्य उठें। स्नान कर श्वेत वस्त्र धारण करके उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठ जाएं। अपने सामने लकड़ी के बाजोट पर श्वेत वस्त्र बिछाएं और उस पर भगवान् रुद्र और सद्गुरुदेव का चित्र स्थापित करें। बाएँ हाथ में जल लेकर पवित्रीकरण करें।

ॐ अपवित्रोवा पवित्रो सर्वावस्थोगतोपिवा, य स्मरेत पुण्डरीकाक्षं, साः बाह्याभ्यंतरः शुचीः।

दाहिने हाथ में जल लेकर निम्नलिखित मन्त्र को चार बार पढ़ें और ग्रहण करें।

ॐ आत्मतत्त्वं शोधयामि स्वाहा।

ॐ विद्यातत्त्वं शोधयामि स्वाहा।

ॐ ज्ञानतत्त्वं शोधयामि स्वाहा।

ॐ शिव तत्त्वं शोधयामि स्वाहा।

फिर गुरु चरणों में ध्यान समर्पण करें।

गुरुर्ब्रम्हा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।

गुरु साक्षात् परपरब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।

श्री गुरु चरणकमलेभ्यो नमः।

गुरु पूजनः

श्री गुरु चरणेभ्यो नमः अर्घ्यं समर्पयामि। (जल का समर्पण करें)

श्री गुरु चरणेभ्यो नमः धूपं दीपं दर्शयामि। (धूप-दीप समर्पित करें)

श्री गुरु चरणेभ्यो नमः नैवेद्यं निवेदयामि। (नैवेद्य समर्पित करें)

सिद्ध किए जाने वाले यन्त्र को चाँदी या ताम्बे के पात्र में स्थापित करके एक माला यन्त्र गायत्रीमन्त्र का जप सम्पन्न करें। जो कि निम्न प्रकार से है।

ॐ यन्त्रराजाय विद्महे महायन्त्राय धीमहि तन्नो यन्त्र प्रचोदयात्।

इसके बाद निम्नलिखित मन्त्र का एक माला जप सम्पन्न करें।

ॐ आं क्रौं ह्रीं असि आ उ सा य र ल वृ श ष हंस अमुकस्य (यन्त्र का नाम लें)  
त्वाग्र शास्त्र मांस मेदोऽऽस्थि मज्जा शुक्राणि धातवः अमुकस्य (पुनः यन्त्र का नाम लें)  
यन्त्रस्य काय वाड.मन श्वाक्शुः गोत्र घ्राण मुख जिह्वा सर्वाणि इन्द्रियाणि शब्द स्पर्श गंध प्राणायान समानोदान व्यानाः सर्वे प्राणाः ज्ञानदर्शन प्राणश्च इहेब आशु आगच्छत आगच्छत संवोषट स्वाहा। अत्र तिष्ठत तिष्ठत ठः ठः स्वाहा। अत्र मम् सन्निहिता भवत्-भवत् वषट्-वषट् स्वाहा। अत्र सर्वजन सौख्याय चिरकालं नन्दतु वद्धातां वज्रमय भवन्तु। अहं वज्रमयान करोमि स्वाहा।

तत्पश्चात् यन्त्र पर पुष्प अर्पित करें और निम्न प्रकार से उच्चारण करें।



**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

**KAPWING**





**COLLECTION OF VARIOUS**  
**-> HINDUISM SCRIPTURES**  
**-> HINDU COMICS**  
**-> AYURVEDA**  
**-> MAGZINES**

**FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)**

**Made with**



**By**

**Avinash/Shashi**

**Icreator of  
hinduism  
server!**

 **KAPWING**

नाना सुगंधं पुष्पाणि यथा कालोद भवानी च पुष्पान्जलीर मया दत्ता गृहाण  
परमेश्वरा ।

इसके बाद प्राणप्रतिष्ठा के दौरान किसी भी भूलचूक के लिए क्षमा प्रार्थना करें ।  
आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनं, पूजा चैव ना जानामि क्षम्यतां परमेश्वरः ।  
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर, यत् पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे ।  
फिर हाथ में पुष्प लेकर यन्त्र और गुरुदेव के चरणों में समर्पित करें व निम्न  
मन्त्र का उच्चारण करें ।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णं मुदच्यते, पूर्णस्य पूर्णमादाय, पूर्णमेवावशिष्यते ।  
फिर

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

का उच्चारण करते हुए अपने और चारों ओर जल का छिड़काव करते हुए उठ  
जाएं । निश्चिन्त रहें आपका यन्त्र निश्चित रूप से प्राण प्रतिष्ठित हो चुका है और  
जिस भी प्रयोजन हेतु इसे सिद्ध किया गया है उस कामना हेतु प्रयोग किया जा  
सकता है ।